7.12.25_1.09.25 Final.qxd 28-01-2026 08:01 Page 1

28 जनवरी 2025

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र का हो रहा है चहुंमुखी विकास : एसडीएम 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

प्रोडक्शन से लेकर डिलीवरी तक रहेगी नजर

- बीज विक्रेताओं के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा
- घटिया बीज बेचने पर 3 साल जेल, 30 लाख जुमार्ना
- बीजों की डिजिटल ट्रेसिबिलिटी और क्यूआर कोड

एजेंसी/नई दिल्ली

किसानों के भरोसे के साथ वर्षों से खिलवाड़ कर रहे नकली और घटिया बीज कारोबार पर अब निर्णायक कार्रवाई की तैयारी है। केंद्र सरकार बजट सत्र में लगभग सात दशक पुराने सीड एक्ट को बदलकर एक ऐसी आधुनिक और सख्त व्यवस्था लाने जा रही है, जिसमें गुणवत्ता, जवाबदेही और पारदर्शिता को सबसे ऊपर रखा गया है। नए कानून के तहत बिना पंजीकरण किसी भी बीज कंपनी, उत्पादक या विक्रेता को बीज बेचने की अनुमति नहीं होगी और जानबूझकर घटिया बीज बेचने वालों को तीन वर्ष तक की जेल और 30 लाख रुपये तक जुमार्ने का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल विधायी परामर्श के लिए विधेयक को सार्वजनिक किया गया है और किसान संगठनों एवं हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं।

पूरी श्रृंखला को जवाबदेह बनाया जाएगा

1966 में बना मौजूदा सीड एक्ट उस दौर का कानून था, जब न डिजिटल निगरानी की व्यवस्था थी और न ही बाजार इतना जटिल था। दोषियों पर सिर्फ पांच सौ रुपये के जुमार्ने का प्रविधान था। नतीजा हुआ कि नकली बीज बेचने जैसे गंभीर अपराध पर भी कार्रवाई के नाम पर मामूली जुमार्ना भरकर बच निकलने की प्रवृत्ति बनी रही। इसी कमजोरी को दूर करते हुए सरकार एक ऐसे कानून की ओर बढ़ रही है, जिसमें बीज आपूर्ति की पूरी श्रृंखला को जवाबदेह बनाया जाएगा। नए सीड बिल की सबसे बड़ी खासियत बीजों की ट्रेसिबिलिटी व्यवस्था है। बाजार में बिकने वाले हर बीज का डिजिटल रिकॉर्ड होगा। पैकेट पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करते ही पता चल सकेगा कि वह कहां उत्पादित हुआ, किस इकाई में प्रसंस्कृत हुआ और किस विक्रेता के माध्यम से किसान तक पहुंचा। इस व्यवस्था के लागू होते ही नकली और खराब बीज लंबे समय तक बाजार में टिक नहीं पाएंगे और दोषी की पहचान तुरंत संभव होगी।

सख्ती के साथ संतुलन बनाए रखने की भी कोशिश

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जोर इस बात पर है कि बीज केवल कृषि इनपुट नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका के साथ खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा विषय है। इसलिए बीज कंपनियों, प्रसंस्करण इकाईयों, डीलरों और पौध नर्सरियों के पंजीकरण को अनिवार्य बनाया जा रहा है। इससे न केवल फर्जी कंपनियों पर लगाम लगेगी, बल्कि किसानों को भी भरोसा मिलेगा कि वे अधिकृत और भरोसेमंद स्त्रोत से बीज खरीद रहे हैं। सख्ती के साथ संतुलन बनाए रखने की भी कोशिश की गई है। नया कानून किसानों की परंपरागत बीज प्रणाली में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। किसान अपने बीज बो सकेंगे। लेन-देन भी कर सकेंगे। गांवों में बीज विनिमय परंपरा भी सुरक्षित रहेगी। कार्रवाई सिर्फ उन्हीं पर होगी, जो नकली और घटिया बीज का कारोबार करेंगे। प्रस्तावित विधेयक में जुमार्ने और सजा को प्रभावी बनाकर संदेश दिया गया है कि किसान को नुकसान पहुंचाना अब कम जोखिम वाला अपराध नहीं रहेगा।

तेजस्वी को आरजेडी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भड़कीं रोहिणी आचार्य

एजेंसी/नई दिल्ली

तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय जनता दल का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रोहिणी आचार्य ने मंगलवार को अपने ट्वीट में लिखा कि लालू यादव और पार्टी के लिए किसने क्या किया। ये तो लोकसभा, हालिया संपन्न विधानसभा के चुनावी नतीजों और पार्टी की वर्त्तमान स्थिति से ही साफ है, जिसे जिम्मेदारी सौंपी गयी उसने, उसके आयातित गुरु और उस गुरु के गुर्गों ने तो लालूजी व पार्टी के प्रति समर्पित हरेक लालूवादी के दशकों के संघर्ष एवं प्रयासों को धो - पोछ कर पार्टी को बबार्दी की कगार पर ला कर खड़ा कर दिया। सवाल पहले भी उठे थे , आज भी सवाल उठ रहे हैं , आगे भी उठेंगे , अगर नैतिक साहस है तो खुले मंच पर सवालों का सामना करने की हिम्मत जुटानी चाहिए , ज्ञान कौन दे रहा और ज्ञान देने की बात कर सच्चाई से मुँह कौन चुरा रहा। ये साफ हो जाएगा। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि आज पार्टी के हरेक सच्चे कार्यकर्ता, समर्थक और हितैषी का सवाल है। जिन चंद घटिया लोगों को, लालू जी को नजरअंदाज कर, एक तरीके से सर्वेसर्वा बना दिया गया, उन लोगों ने पार्टी के लिए क्या किया? और समीक्षा के नाम किए गए दिखावे पर क्या कार्रवाई की गयी। समीक्षा रिपोर्ट अब तक क्यूँ नहीं सार्वजनिक की गयी और समीक्षा रिपोर्ट में जिन लोगों पर सवाल उठे उन पर अब तक कोई कार्रवाई क्यूँ नहीं की गयी।

हाइपरसोनिक मिसाइलें, फेज्ड बैटल और ऑपरेशन सिंदूर

77वें गणतंत्र दिवस परेड पर दुनिया ने देखी भारत की ताकत

- राज्यों की रंग-बिरंगी झांकियों ने सांस्कृतिक विविधता दर्शाई
- राष्ट्रपति मुर्मू और विदेशी मेहमानों ने इस भव्य आयोजन का आनंद लिया, जो देश की एकता और सैन्य कौशल का प्रतीक था

एजेंसी/नई दिल्ली

कर्तव्य पथ 77वें गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर सोमवार को देश की प्रगति, संस्कृति और सामरिक ताकत की मनोहारी झलक से रूबरू हुई। जहां तीनों सेनाओं ने अपने-अपने अंदाज में सिंदूर फार्मेशन के जरिए ऑपरेशन सिंदूर के पराक्रम को जीवंत किया। गणतंत्र दिवस परेड़ की मुख्य थीम वैसे तो इस बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पर केंद्रित थी मगर निसंदेह तीनों सेनाओं की ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी युद्ध कौशल झलकियों का परेड में वर्चस्व दिखा। सेना और नौसेना के जवानों ने अपने-अपने अंदाज में तो भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने फ्लाईपास्ट में एक खास सिंदूर फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए कर्तव्य पथ को गौरवशाली रोमांच का झण दिया। राष्ट्र की सामरिक ताकत के गौरवशाली पलों के बीच राज्यों की रंग-बिरंगी झाकियां कर्तव्य पथ पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और अनेकता में एकता का मनोहारी रंग बिखेर रहीं थीं।

21 तोपों को सलामी देने के साथ शुरूआत

सामरिक शक्ति और सांस्कृतिक वैभव के अनोखे संगम का आनंद कर्तव्य पथ पर मौजूद हजारों दर्शक ही नहीं गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि विदेशी मेहमान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन तथा यूरोपीय संघ के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी लेते नजर आए। गणतंत्र दिवस परेड की शुरूआत कर्तव्य पथ पर तिरंगा लहराए जाने और राष्ट्रध्वज को 21 तोपों को सलामी देने के साथ शुरू हुई। राष्ट्रगान के साथ स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड तोपों ने यह सलामी दी। इसके उपरांत 100 सांस्कृतिक कलाकारों ने 'विविधता में एकता' थीम को प्रदर्शित करते हुए परेड की शुरूआत की। जबकि ध्वज फॉर्मेशन में सेना के चार एमआई-17 हेलीकाप्टरों ने कर्तव्य पथ पर फूलों की पंखुड़ियों की बारिश की। सैन्य परेड की शुरूआत परेड के कमांडर लेफ्टिनेंट दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सलामी देने के साथ शुरू हुई।

सनातन को नजरअंदाज करने वाले कभी सरकार नहीं बना पाएंगे : शाह

एजेंसी/अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। गुजरात के गांधीनगर में स्वामीनारायण संप्रदाय के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जो सरकार सनातन धर्म के अनुयायियों को निराश करती है, वह देश में दोबारा सत्ता में नहीं लौट सकती। उनके इस बयान को आने वाले राजनीतिक हालात और सांस्कृतिक विमर्श से जोड़कर देखा जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ ह्यशिक्षापत्रीह्ण के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया था। शिक्षापत्री में 212 संस्कृत श्लोक हैं, जिन्हें भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में लिखा था। यह ग्रंथ अनुयायियों के लिए आचरण, नैतिकता, समाज और आध्यात्मिक जीवन का मार्गदर्शन करता है। अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक सनातन परंपराओं को उचित सम्मान देने वाली सरकार की प्रतीक्षा रही। अमित शाह ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से उन्हें पूरा भरोसा है कि जो सरकार सनातन धर्म के मूल्यों को कमजोर करेगी, वह दोबारा सत्ता में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि आज देश में ऐसी सरकार है, जो सनातन धर्म के सिद्धांतों के अनुसार शासन कर रही है और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत कर रही है। अमित शाह ने भगवान स्वामीनारायण को ब्रिटिश काल में समाज को दिशा देने वाला महापुरुष बताया।

7.12.25_1.09.25 Final.qxd 28-01-2026 08:01 Page 2

चौसा में प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने किया योजनाओं का जायजा, शिक्षा और जवाबदेही पर दिया जोर

केटी न्यूज/चौसा

पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग के लिए संचालित सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से सोमवार को चौसा बाजार में एक सादे लेकिन महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गणतंत्र दिवस के झंडातोलन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जिले की प्रभारी मंत्री सह पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद चौसा पहुंचीं, जहां उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। मंत्री रमा निषाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की मंशा तभी सफल होगी जब योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में

लापरवाही या ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। मंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिया कि वे फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि सीधे जनता से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करें। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से क्षेत्रीय विकास को लेकर संवाद किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है, लेकिन इसके लिए प्रशासनिक संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद जरूरी है। विशेष रूप से शिक्षा को समाज परिवर्तन की कुंजी बताते हुए मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही पिछड़े और अतिपिछड़े वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। मंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें स्कूल से जोड़कर रखें। साथ ही कार्यकर्ताओं से शिक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने का आग्रह किया। उनके आगमन पर भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर सदर विधायक आनंद मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह, चौसा मंडल अध्यक्ष सविता देवी, चौसा ग्रामीण मंडल के प्रकाश राय सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का यह संदेश स्पष्ट दिखा कि योजनाओं की समीक्षा अब केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का माध्यम

उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया गणतंत्र दिवस, राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित हुआ मुख्य समारोह

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र का हो रहा है चहुंमुखी विकास : एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल मुख्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह सोमवार को उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस दौरान सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहरा संविधान को अच्छूण बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

मुख्य समारोह राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित हुआ। जहां एसडीएम राकेश कुमार ने झंडोतोलन कर मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में एनसीसी व एनएसएस के वोलंटियर के अलावे विभिन्न स्कूलों की झांकियां शामिल थी।

अपने संबोधन में एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र का चहुमुंखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में सभी क्षेत्रों में आधारभूत संचरचानाओं में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। जमीन पर अब विकास दिखाई पड़ने लगा है। एसडीएम ने कहा कि अनुमंडल के नावानगर क्षेत्र को स्पेशल इकोनामिक जोन घोषित किया गया है। यहां अब बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी आ रही है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े है।

एसडीएम ने कहा कि इसके अलावे स्वास्थ्य व शिक्ष के क्षेत्र में भी कई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि डुमरांव में मेडिकल कॉलेज अगले साल तक शुरू हो जाएगा। सभी प्रखंडो में अस्पतालों का नया भवन बना है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में खेल मैदान बनाए जा रहे है। वहीं, शिक्षा क्षेत्र में आधाभूत संरचनाओं के साथ ही राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

एसडीएम ने कहा कि भूमि विवाद के निपटारे लिए प्रत्येक महीने में दो बार भूमि विवाद निराकरण के लिए एसडीएम व एसडीपीओ स्तर पर सभी पदाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक किया जा रहा है। इसके अलावे खुद एसपी सभी थानों में जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करा रहे है। वहीं, भूमि रिकार्ड अपडेट के लिए राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी भी कई चुनौतियां है, जिसके समाधान के लिए लोगों से सहयोग की अपेक्षा भी है।

अभयान ब्रिगेड के माध्यम से पुख्ता हुई महिलाओं की सुरक्षा : एसडीपीओ

वहीं, अपने संबोधन में डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि पुलिस की संजीदगी पहले से तेज हुई है। उन्होंने कहा कि डायल 112 पर पुलिस तुरंत पीड़ितो तक पहुंच उन्हें राहत पहुंचा रही है। एसपी सर द्वारा जनता दरबार का आयोजन कर वैसे लोगों को भी न्याय दिलाया जा रहा है, जो जिला मुख्यालय जाने में असक्षम है। वहीं एसडीएम ने कहा कि अब महिलाओं की सुरक्षा के प्रति भी पुलिस विशेष अभियान चला रही है। सभी थानों में अभया ब्रिगेड काम कर रहा है। अभया ब्रिगेड क्षेत्र के स्कूल-कोचिंग संस्थानों तथा बाजार में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस लोगों की सहायता में हर समय तत्पर है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था, जहां बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई तथा देश भक्ति आधारित नाटक, गीत, सामूहिक गीत, एकांकी आदि के माध्यम से उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर भाव विभोर कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में डुमरांव के बचपन स्कूल, कैंब्रिज स्कूल, वुड स्टाक स्कूल, राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल, संत जॉन सेकेन्ड्री समेत कई अन्य स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुति दी।

कई गणमान्य रहे मौजूद

राज हाई स्कूल के खेल मैदान में झंडोतोलन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान डीसीएलआर टेस लाल सिंह, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, प्रभारी सीओ कुमार दिनेश, डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार समेत कई अन्य कर्मी, शिक्षक तथा गणमान्य मौजूद थे।

एक नजर

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा डुमरांव ने धूमधाम से मनाया 25वां स्थापना दिवस

डुमरांव । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्टेशन रोड स्थित एक सभागार में अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा डुमरांव का सिल्वर जुबली सह 25वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के सम्मानित सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञात हो कि 26 जनवरी को मोहन गुप्ता की अध्यक्षता में अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा डुमरांव की स्थापना की गई थी। स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के वर्तमान अध्यक्ष अजय गुप्ता ने की। समारोह की शुरूआत आपसी स्वागत और अभिनंदन के साथ हुई, जिसमें संस्था के संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष मोहन गुप्ता ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंच संचालन संस्था के सचिव के.के. गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष अजय गुप्ता ने केक काटकर सिल्वर जुबली वर्ष की औपचारिक शुरूआत की तथा सभी सदस्यों को केक खिलाकर खुशियां साझा कीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संस्था ने बीते 25 वर्षों में सामाजिक एकता, सहयोग और सेवा की भावना के साथ कार्य किया है और आगे भी समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

पूर्व अध्यक्ष मोहन गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि जिस संस्था की नींव उनके कार्यकाल में रखी गई थी, वह आज 25 वर्षों का सफल सफर तय कर चुकी है। उन्होंने बताया कि संस्था ने रौनियार समाज के उत्थान के साथ-साथ अन्य सामाजिक कार्यों में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण, आर्थिक सहायता जैसे कई सेवा कार्य नियमित रूप से किए गए हैं।

कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक रमेश रौनियार, सुरेश कुमार, विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष विनय कुमार, अजय कुमार, उमेश कुमार, रौशन गुप्ता, मनोज कुमार, मनोज कुमार, मनोज कुमार, मुन्ना रौनियार सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह का समापन आपसी शुभकामनाओं और संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया

पटाखा विस्फोट: जख्मी मुख्तार की इलाज के दौरान हुई मौत

डुमरांव। डुमरांव के झगरू लोहार की गली स्थित एक घर में पटाखा के जखीरे में विस्फोट से जख्मी 40 वर्षीय मुख्तार रंगरेजा की इलाज के दौरान मौत हो गई है। उसकी मौत सोमवार की सुबह पटना के किसी अस्पताल में हुई है।

बता दें कि पटाखा निर्माण मुख्तार का पुश्तैनी धंधा है तथा पिछले चार दशक से उसका परिवार इससे जुड़ा था। 21 जनवरी की शाम वह घर में मौजूद था, इसी दौरान संभवतः रसोई गैस के सिलेंडर में आग लगने के बाद उसकी चिंगारी घर में रखे पटाखों के जखीरे में जा लगी थी। इस दौरान बहुत तेज विस्फोट हुआ था। इसकी चपेट में आने से मुख्तार गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। पड़ोसियों तथा स्वजनों ने उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था।

स्वजनों द्वारा उसका इलाज पटना में करवाया जा रहा था। सोमवार को इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है।

वासुदेवा में चोरों ने व्यवसायिक प्रतिष्ठान से उड़ाए लाखों रुपए, बाजार की सुरक्षा पर उठा सवाल

नावानगर । वासुदेवा थाना क्षेत्र अंतर्गत वासुदेवा बाजार में गुप्ता ट्रेडर्स की दुकान में हुई लाखों की चोरी की घटना ने पूरे बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार अहले सुबह अज्ञात चोरों द्वारा दुकान का ताला और कार्यालय का गेट काटकर की गई चोरी के बाद स्थानीय दुकानदारों में भय और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद बाजार के व्यापारियों का कहना है कि वासुदेवा बाजार में रात्रि गश्ती और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने न केवल दुकान का मुख्य दरवाजा तोड़ा, बल्कि लोहे के गेट को ब्लेड से काटकर कार्यालय में प्रवेश किया, जिससे उनकी पेशेवर तैयारी स्पष्ट होती है। पीड़ित दुकानदार संजय गुप्ता द्वारा वासुदेवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि हर बिंदु पर जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों की पहचान कर ली जाएगी। इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए नावानगर प्रखंड प्रमुख अंकित कुमार भी मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर मामले की गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। इस घटना के बाद से वासुदेवा बाजार के दुकानदार रात्रि में दुकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और प्रशासन से स्थायी सुरक्षा उपाय की मांग कर रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और देशभक्ति के रंग में सराबोर रहा मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल का वार्षिकोत्सव

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल प्रांगण में सोमवार को 9वां वार्षिकोत्सव व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसका उद्घाटन विधायक राहुल सिंह, पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा, जगदीशपुर विधानसभा के पूर्व विधायक रामविजय सिंह लोहिया तथा दिनारा विधानसभा के पूर्व विधायक विजय मंडल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रमों में ह्लनारी की आवाजह्व, ह्लबेटा का गोकुलिया सिखियाह्व, ह्लबेटी अनमोलह्व, ह्लस्वच्छताह्व, ह्लझांकीह्व तथा ह्लमैंने नहीं देखी मेरे पापा की शादीह्व जैसे नाट्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में नारी सशक्तिकरण, शिक्षा का महत्व, स्वच्छता अभियान और सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि विधायक राहुल सिंह ने अपने संबोधन में विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को मेहनत, अनुशासन और देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

बक्सर में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन, प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने फहराया तिरंगा

केटी न्यूज/बक्सर

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बक्सर जिला मुख्यालय स्थित किला मैदान में मुख्य समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार की प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने तिरंगा फहराया और सलामी ली। इस अवसर पर जिलाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के साथ प्रभारी मंत्री ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। परेड में जिला बल (पुरुष) एवं जिला बल (महिला) की एक-एक प्लाटून, जिला प्रशिक्षण सिपाही की दो प्लाटून, गृह रक्षा वाहिनी, बिहार अग्निशमन सेवा, एनसीसी तथा स्काउट गाइड हिन्दुस्तान की एक-एक प्लाटून ने अनुशासित मार्च पास्ट कर राष्ट्रीय एकता और शौर्य का संदेश दिया।प्रभारी मंत्री रमा निषाद ने अपने

संबोधन में कहा कि बिहार सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए संकल्पित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और नशा मुक्ति जैसे क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बक्सर जैसे ऐतिहासिक जिले को विकास की मुख्यधारा में और मजबूती से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है।समारोह के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। इनमें मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की ह्यनशा मुक्त बिहार, खुशहाल परिवारह्व, आईसीडीएस की ह्यआंगनबाड़ी स्वस्थ बच्चा, उज्ज्वल भविष्यह्व, शिक्षा विभाग की ह्यउन्नत बक्सर, उज्ज्वल बक्सरह्व, स्वास्थ्य विभाग की ह्यआयुष्मान भारतह्व, जीविका की सतत जीविकोपार्जन योजना, केन्द्रीय कारा द्वारा ह्यमुक्ति ब्रांडह्व उत्पाद, कृषि विभाग की फार्मर रजिस्ट्री व पराली प्रबंधन, ग्रामीण विकास विभाग की लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान एवं पंचायत राज विभाग की योजनाओं की झांकियां प्रमुख रहीं।उत्कृष्ट झांकी प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार शिक्षा विभाग, द्वितीय पुरस्कार केन्द्रीय कारा एवं तृतीय पुरस्कार जीविका को प्रदान किया गया।गणतंत्र दिवस के अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों, शिक्षकों, समाजसेवियों, खिलाड़ियों एवं विभिन्न विभागों के कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले अजय राय व संजय कुमार सिंह, जल संरक्षण के क्षेत्र में सात वर्षों से निरंतर कार्य कर रहे अजय राय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली अनु कुमारी सहित कई लोगों को सम्मान मिला।

खेल के मैदान से मजबूत हुआ पुलिस-जनसंवाद

गणतंत्र दिवस पर चौसा में मैत्री क्रिकेट मैच बना सौहार्द और विश्वास का प्रतीक

केटी न्यूज/चौसा

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर चौसा के खेल मैदान में आयोजित पुलिस-पब्लिक मैत्री क्रिकेट मैच ने खेल के माध्यम से सामाजिक सौहार्द, आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को नई मजबूती दी। यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद, समन्वय और भरोसे को सशक्त करने का एक सकारात्मक प्रयास साबित हुआ।

पुलिस प्रशासन एकादस और पब्लिक (चौसा) एकादस के बीच खेले गए इस एकदिवसीय मुकाबले में दोनों टीमों ने खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश, दर्शकों का उत्साह और आयोजन की सुव्यवस्था ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। नगर पंचायत एवं प्रशासन के सहयोग से संपन्न इस मैच में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने दोनों टीमों का तालियों से स्वागत किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पुलिस प्रशासन एकादस ने संतुलित और अनुशासित खेल का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। टीम की ओर से प्रेम कुमार ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 52 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं सुजीत कुमार ने 46 रनों का उपयोगी योगदान देकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चौसा एकादस ने शुरूआत में संघर्ष दिखाया, लेकिन लगातार विकेट गिरने के कारण टीम दबाव में आ गई और पूरी टीम 125 रन पर सिमट गई। इस तरह पुलिस प्रशासन एकादस ने 34 रनों से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच का उद्घाटन प्रो. रमेश चन्द्र सहाय, पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव एवं संजय मास्टर द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी शम्भू भगत ने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कम होती है और आपसी विश्वास को बल मिलता है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान ने इसे सामाजिक समरसता और सकारात्मक संवाद का सशक्त माध्यम बताया।

मैच में अंपायर की जिम्मेदारी रामनारायण दुबे एवं छट्ठु यादव ने निभाई, जबकि पूरे मुकाबले की रोचक कमेंट्री अमर कुमार ने की। आयोजन को सफल बनाने में विवेक चौबे, रामशीष सिंह, विनोद यादव, नितेश उपाध्याय, सुनील यादव, काजू मिश्रा, अधिवक्ता रामलखन पाल, दीनबंधु सिंह सहित अनेक सामाजिक कार्यकताओं और खेल प्रेमियों की अहम भूमिका रही।

यह मैत्री मैच चौसा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एकता, विश्वास और सहभागिता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

7.12.25_1.09.25 Final.qxd 28-01-2026 08:01 Page 3

बैंक बंद, जनता बेहाल : बक्सर में हड़ताल ने थाम दी आर्थिक रफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में मंगलवार को बैंकिंग व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स द्वारा घोषित देशव्यापी हड़ताल का सीधा असर यह रहा कि जिले के सभी 146 बैंक और अधिकांश एटीएम बंद रहे। नतीजा, सुबह से ही बैंकों के बाहर लोगों की भीड़, गुस्सा और बेबसी साफ दिखी। जरूरी काम लेकर बैंक पहुंचे उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। हड़ताल की जानकारी के अभाव में डुमरांव नगर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा पर पहुंचे ग्राहक रामाकांत पांडेय, दिवाकर यादव और उमेश्वर सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से बैंक बंद थे, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि मंगलवार को कामकाज शुरू होगा। लेकिन बैंक पहुंचने पर पता चला कि हड़ताल के कारण आज भी कोई काम नहीं हो रहा है। इससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। बैंक बंद रहने का सबसे बड़ा असर आम जनता और छोटे कारोबारियों पर पड़ा। स्थानीय निवासी संदीप कुमार ने बताया कि उन्हें बैंक से पैसे ट्रांसफर कराने थे, लेकिन हड़ताल के कारण यह संभव नहीं हो सका। वहीं कई ग्राहक अपने खाते की केवाईसी अपडेट कराने पहुंचे थे, उनका काम भी ठप हो गया। मजदूरी, पेंशन, छात्रवृत्ति, व्यापारिक भुगतान, सब कुछ एक दिन में ही रुक गया। जिले में एक दिन बैंकिंग गतिविधियां ठप रहने से करोड़ों रुपये के कारोबार पर असर पड़ा है। व्यापारियों का कहना है कि नकदी की किल्लत से बाजार की रफ्तार थम गई है। खासकर छोटे दुकानदार, किसान और दैनिक जरूरतों से जुड़े लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

हड़ताल की वजह क्या है

बैंक यूनियनों का कहना है कि केंद्र सरकार और इंडियन बैंक एसोसिएशन से लंबे समय से कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कर्मचारियों की मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों की प्रमुख मांग है कि अन्य सरकारी विभागों की तरह बैंकों में भी पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया जाए ताकि कर्मचारियों को बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस मिल सके। यूनियन नेताओं का साफ कहना है कि बैंक कर्मचारी लगातार बढ़ते काम के दबाव में काम कर रहे हैं। डिजिटल बैंकिंग, लक्ष्य आधारित काम और स्टाफ की कमी के बावजूद सुविधाओं में कोई सुधार नहीं किया गया। ऐसे में यह हड़ताल कर्मचारियों की मजबूरी है, न कि उनकी जिद।

आगे और बढ़ेगा आंदोलन

यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता भी अपनाया जाएगा। इसका सीधा नुकसान फिर आम जनता को ही उठाना पड़ेगा।

फिलहाल बक्सर में हालात यह हैं कि बैंक बंद हैं, एटीएम सूखे पड़े हैं और आम लोग सिस्टम के बीच पिस रहे हैं। सवाल यह है कि सरकार और बैंक प्रबंधन कब तक इस टकराव को नजरअंदाज करेंगे और कब जनता को राहत मिलेगी।

एक नजर

नुक्कड़ नाटक के जरिए भूकम्प से बचाव का संदेश, चौसा में उमड़ी जागरूकता की भीड़

चौसा। भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से भूकम्प सुरक्षा माह के तहत चौसा में जनजागरूकता अभियान को नया रूप दिया गया। मंगलवार को चौसा यादव मोड़ पर आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम लोगों को सरल और प्रभावी तरीके से भूकम्प से पहले, दौरान और बाद में अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। आपदा प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में ओम साईं इंटरप्राइजेज के कलाकारों ने सशक्त अभिनय के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। नाटक के दृश्य इतने प्रभावशाली थे कि राह चलते लोग, दुकानदार और स्थानीय नागरिक रुककर पूरे कार्यक्रम को देखने लगे। कलाकारों ने दिखाया कि घबराहट नहीं, बल्कि सही जानकारी और संयम ही आपदा के समय सबसे बड़ा हथियार होता है। नाटक के माध्यम से यह बताया गया कि मजबूत और मानक के अनुरूप निर्माण, घर में आपातकालीन किट की उपलब्धता, सुरक्षित खुले स्थानों की पहचान और परिवार के सदस्यों के बीच पूर्व तैयारी कितनी आवश्यक है। साथ ही भूकम्प के दौरान अफवाहों से दूर रहकर सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने का संदेश भी दिया गया। कलाकारों ने यह भी समझाया कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने नाटक की सराहना करते हुए इसे बेहद उपयोगी बताया। कई लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल जानकारी मिलती है, बल्कि आपदा के प्रति मानसिक तैयारी भी मजबूत होती है। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भूकम्प सुरक्षा माह के तहत प्रखंड के विभिन्न इलाकों में इसी तरह के जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उद्देश्य यह है कि हर नागरिक आपदा के समय घबराने के बजाय सही कदम उठाए। कार्यक्रम के अंत में लोगों से अपील की गई कि वे भूकम्प सुरक्षा से जुड़ी जानकारी अपने परिवार, पड़ोस और समुदाय तक पहुंचाएं, ताकि आपदा के समय जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके।

77वें गणतंत्र दिवस पर झंडे का अपमान, रामपुर में लापरवाही उजागर

केसठ। सोमवार को पूरा देश 77वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। नीले गगन के नीचे हर जगह शान से तिरंगा लहराता नजर आया, लेकिन इसी बीच प्रखंड के रामपुर गांव से एक बेहद शर्मनाक और चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां राष्ट्रीय ध्वज नीचे झुका हुआ पाया गया, जो साफ तौर पर तिरंगे के सम्मान के खिलाफ है। झंडा इस हालत में कैसे और किन परिस्थितियों में रहा, यह जांच का विषय है, लेकिन प्रथम दृष्टया यह मामला घोर लापरवाही और राष्ट्रीय पर्व के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। झंडा स्थल को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि गणतंत्र दिवस केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित रह गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि न तो झंडा पाइप की रंगाई की गई थी और न ही ध्वज स्थल की साफ-सफाई और रंग रोगन किया गया। इससे स्पष्ट झलकता है कि देश की आन-बान-शान के प्रतीक तिरंगे के सम्मान में गंभीर चूक हुई है।राष्ट्रीय पर्व जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर इस तरह की लापरवाही न केवल दुखद है, बल्कि यह प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है।

पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं की गरिमामयी मौजूदगी में देशभक्ति से गूंजा समारोह स्थल

आईईएसएम बक्सर ने धूमधाम से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य इंडियन एक्स-सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम), बक्सर द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस समारोह सैनिक कार्यालय, मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में भव्य और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के निदेशक डॉक्टर मेजर पी.के. पाण्डेय एवं जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्यासागर चौबे ने कुशलतापूर्वक किया।

बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों व वीरांगनाओं की सहभागिता

इस अवसर पर बक्सर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश से आए लगभग 600 पूर्व सैनिकों एवं 200 वीरांगनाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में देशभक्ति और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बक्सर के डीएसपी गौरव पाण्डेय रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि पीसीडीए अधिकारी मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे। इसके अलावा जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कैप्टन सतीश पाण्डेय, डॉ. सी.एम. सिंह, समाजसेवी वर्षा पाण्डेय, डॉ. बी.के. सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि नियामतुल्ला फरीदी, सदर थाना प्रभारी मनोज सिंह, राजनेता संजय सिंह, जिला पार्षद बंटी शाही, रेड क्रॉस सचिव डॉ. श्रवण तिवारी, समाजसेवी राजेश यादव, साबित रोहतासवी, त्रिलोकी मिश्रा एवं मनोज उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अतिथियों का सम्मान, सैनिकों को मिला आश्वासन

डॉ. मेजर पी.के. पाण्डेय एवं जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने सभी अतिथियों, वीरांगनाओं एवं जांबाज पूर्व सैनिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

मुख्य अतिथि डीएसपी गौरव पाण्डेय ने सैनिकों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए उनकी एकता, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने किसी भी प्रकार की समस्या होने पर शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

पेंशन समस्याओं के समाधान का भरोसा

पीसीडीए अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि पीसीडीए के वरिष्ठ अधिकारी किसी कारणवश कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों की पेंशन से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान नियमानुसार शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने पीसीडीए कार्यालय की ओर से सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आईईएसएम बक्सर की ओर से उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मनोज कुमार सिंह ने अपने मधुर स्वर में देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम एवं सीजीडीए-पीसीडीए अधिकारियों के जयघोष से पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा।

वीर नारियों का सम्मान, समारोह का समापन

समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा वीर नारियों को सम्मानित किया गया। अंत में सभापति कैप्टन बी.एन. पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह के समापन की घोषणा की गई।

राजपुर में लोकतंत्र का उत्सव : हर चौक-चौराहे पर लहराया तिरंगा, देशभक्ति में डूबा प्रखंड

केटी न्यूज/राजपुर

77वें गणतंत्र दिवस पर राजपुर प्रखंड लोकतंत्र के उत्सव में पूरी तरह रंगा नजर आया। सरकारी कार्यालयों से लेकर शिक्षण संस्थानों और पंचायत भवनों तक, हर जगह आन-बान-शान के साथ तिरंगा फहराया गया। सुबह होते ही पुलिस बल के जवानों ने जोशपूर्ण गर्जना के साथ राष्ट्रीय ध्वज और शहीदों को सलामी दी, जिससे माहौल देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। झंडारोहण के साथ ही विद्यालयों और संस्थानों में राष्ट्रगान एवं देशभक्ति गीतों की गूंज सुनाई दी। लोगों ने ह्वभारत माता की जयह्व और ह्ववंदे मातरम्ह्व के नारों के साथ एक सशक्त लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख मंजू देवी, बीडीओ सिद्धार्थ कुमार और प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी अभिषेक कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा गणतांत्रिक देश है और संविधान ही हमारी एकता व मजबूती की नींव है।

किसान भवन, बीआरसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, थाना परिसर, पंचायत सरकार भवनों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थानों में अलग-अलग जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने झंडारोहण किया। पूरे दिन क्षेत्र में राष्ट्रीय गौरव, एकता और भाईचारे का संदेश गूंजता रहा।

बेनीलाल के डेरा गांव में दुकान बंद कर घर लौट रहे दुकानदार को मारी गोली, हालत गंभीर

केटी न्यूज/बक्सर

बेखौफ अपराधियों ने रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र के बेनीलाल के डेरा में एक दुकानदार को गोली मार जख्मी कर दिया है। घटना मंगलवार की रात नौ बजे की है। जख्मी को आनन फानन में इलाज के लिए सिमरी सी एच सी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही सिमरी थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी सीएचसी पहुंच जख्मी से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस घटना में शामिल अपराधियों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करने की कार्रवाई में जुट गई है। जख्मी की पहचान स्थानीय गांव निवासी राकेश कुमार गुप्ता के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह मंगलवार की रात वह अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहा था, इसी दौरान अपराधियों ने उसे गोली मार दी है। इस घटना से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। बाजार क्षेत्र में रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि शाम ढलते ही बाजार में सन्नाटा पसर जाता है। लोग समय से पहले दुकानें बंद करने को मजबूर हैं। व्यापारियों को आशंका है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ऐसी घटनाएं दोबारा हो सकती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पुलिस गश्ती बेहद कम है, जिसका फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही दोषियों को पकड़ लिया जाएगा और क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

यह घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि ग्रामीण इलाकों में बढ़ती आपराधिक चुनौतियों का संकेत है। यदि प्रशासन, पुलिस और समाज मिलकर सतर्कता नहीं बरतते, तो इसका असर आमजन की सुरक्षा और व्यापारिक माहौल पर लंबे समय तक पड़ सकता है।

डुमरी मौजा के किसानों को नहीं मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ, लगान शून्य होने से बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी अंचल क्षेत्र अंतर्गत डुमरी पंचायत के डुमरी मौजा के किसान बीते लगभग एक दशक से गंभीर प्रशासनिक समस्या से जूझ रहे हैं। करीब 500 हेक्टेयर भूमि, जिसमें आवासीय, खेतिहर और बगीचा युक्त भूखंड शामिल हैं, पर काबिज लगान की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण किसानों को सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लगान रिकॉर्ड में गड़बड़ी के चलते किसान न तो आवास योजना, न ही कृषि से जुड़ी अन्य सुविधाओं का लाभ उठा पा रहे हैं।इस समस्या को लेकर डुमरी पंचायत के मुखिया प्रेम सागर कुवर के नेतृत्व में मौजा के कई रैयतों ने राजस्व विभाग के संयुक्त सचिव, जिलाधिकारी बक्सर और अपर समाहर्ता (राजस्व) को लिखित आवेदन सौंपकर समाधान की मांग की है। किसानों का कहना है कि वर्ष 2016 से डुमरी मौजा की अधिकांश भूमि का लगान नहीं कट रहा है, जिससे सरकारी अभिलेखों में उनकी भूमि की स्थिति संदिग्ध बनी हुई है।

मुखिया प्रेम सागर कुवर ने बताया कि वर्ष 2008 के सर्वे के आधार पर डुमरी मौजा की भूमि का लगान निर्धारित किया गया था और उस समय ऑफलाइन लगान भी कटता था। लेकिन जैसे ही व्यवस्था ऑनलाइन हुई, मौजा की बड़ी आबादी वाली भूमि का लगान शून्य दर्शाने लगा। वर्तमान में डुमरी मौजा की मात्र 25 प्रतिशत भूमि का ही नियमित लगान कट रहा है, जबकि शेष भूमि के रैयत खुद को प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार मान रहे हैं।

इस मामले में डुमरांव के डीसीएलआर टेश लाल सिंह ने स्पष्ट किया है कि काबिज लगान युक्त भूमि से संबंधित रैयत ऑनलाइन आवेदन करें और भूमि से जुड़े आवश्यक दस्तावेज ऑफलाइन कार्यालय में जमा करें। इसके बाद अंचल अमीन द्वारा भूमि की मापी कराई जाएगी तथा स्थानीय अंचलाधिकारी से स्पष्ट प्रतिवेदन प्राप्त किया जाएगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद संबंधित भूमि का लगान निर्धारण कर दिया जाएगा।

फिलहाल किसान प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो सके और वे सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

तीन माह की मजदूरी बकाया : थर्मल प्लांट में मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, 24 घंटे का अल्टीमेटम

- बक्सर थर्मल पावर प्लांट बना आक्रोश का केंद्र, ठेकेदार पर भुगतान टालने का आरोप

केटी न्यूज/चौसा

बक्सर थर्मल पावर प्लांट में सोमवार को उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए, जब तीन माह से मजदूरी नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों मजदूरों ने कामकाज ठप कर जमकर हंगामा किया। मामला एलएंडटी के अधीन कार्य कर रही स्वप्निल इंटरप्राइजेज कंपनी से जुड़ा है, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूर कार्यरत हैं। मजदूरों ने कंपनी के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन करते हुए ठेकेदार को घेर लिया और बकाया मजदूरी की मांग पर अड़ गए।

नवंबर से नहीं मिला मेहनताना, परिवार भुखमरी के कगार पर

मजदूरों का आरोप है कि उन्हें

नवंबर माह से लगातार मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन में शामिल मजदूर हरवंश सिंह, प्रदीप कुमार, सुशील सिंह, कन्हैया यादव, गजेंद्र सहित अन्य ने बताया कि मजदूरी नहीं मिलने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, राशन और दवाइयों तक के लाले पड़ गए हैं। मजदूरों ने कहा कि मेहनत के बाद भी यदि समय पर मजदूरी न मिले तो यह खुला शोषण है।

आश्वासन से नहीं माने मजदूर, काम बंद कर जताया विरोध

हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंचे ठेकेदार रवि तिवारी ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि आगामी 7 तारीख तक सभी बकाया मजदूरी का भुगतान कर दिया जाएगा। लेकिन मजदूर इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना था कि इससे पहले भी कई बार इसी तरह का भरोसा दिलाया गया, लेकिन भुगतान अब तक नहीं हुआ। इसी कारण मजदूरों ने तत्काल भुगतान की मांग करते हुए काम पूरी तरह बंद कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख सूचना स्थानीय थाने को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मजदूरों व ठेकेदार के बीच बातचीत कर माहौल शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। इस बीच इटक मजदूर यूनियन के नेता पप्पू पांडेय ने ठेकेदार को साफ शब्दों में 24 घंटे के भीतर मजदूरों की बकाया मजदूरी भुगतान करने का अल्टीमेटम दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन और ठेकेदार की होगी। पुलिस ने भी ठेकेदार को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

चलती ट्रेन, छूटे दो लाख और आरपीएफ की रफ्तार : भरोसे की पटरी पर लौटा यात्री का सबकुछ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) की तत्परता और ईमानदारी पर मुहर लगा दी। मामला गाड़ी संख्या 15658 ब्रह्मपुत्र मेल का है, जहां एक यात्री के लाखों रुपये और जरूरी सामान से भरे बैग ट्रेन में छूट गए, लेकिन मिनटों में कहानी का रुख बदल गया।

सुरक्षा नियंत्रण कक्ष दानापुर से रेल मदद के जरिए मिली सूचना के अनुसार कोच एच-1, बर्थ नंबर 13 पर रखे दो ट्रॉली बैग और एक पिठू बैग आरा स्टेशन पर पीछे रह गए यात्री के थे। यात्री पानी लेने उतरे थे, इसी बीच ट्रेन खुल गई और वे चढ़ नहीं पाए। आमतौर पर ऐसी स्थितियां यात्रियों के लिए भारी नुकसान में बदल जाती हैं, लेकिन इस बार आरपीएफ बक्सर की मुस्तैदी ने नुकसान को भरोसे में बदल दिया।

सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट बक्सर हरकत में आई। ट्रेन के बक्सर पहुंचते ही अधिकारियों और जवानों ने संबंधित कोच को अटेंड किया और बर्थ नंबर 13 से तीनों बैग सुरक्षित उतार लिए। तत्पश्चात पहचान सुनिश्चित कर यात्री को सूचना दी गई। यात्री की पहचान सब्बाज खान (66 वर्ष), निवासी नगांव, असम के रूप में हुई। यात्री के आरपीएफ पोस्ट पहुंचने पर विधिवत प्रक्रिया के तहत बैग खोले गए। जांच में दोनों ट्रॉली बैग से 500 के नोटों की चार-चार गड्डियां कुल 2 लाख नगद–के साथ कपड़े, जरूरी दवाइयां और करीब 30 हजार मूल्य का अन्य सामान बरामद हुआ। सब कुछ सही सलामत पाए जाने पर सामान यात्री को सौंप दिया गया।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार ने किया, जिनके साथ उप निरीक्षक दिनेश चौधरी, उप निरीक्षक विजेंद्र मुवाल, सहायक उप निरीक्षक नंदलाल राम और आरक्षी बी.के. सिंह शामिल रहे।

7.12.25_1.09.25 Final.qxd 28-01-2026 08:01 Page 4

मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना : 909 नए पुलों से जुड़ेंगे बिहार के गांव

केटी न्यूज । रोहतास

मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत 909 नए पुलों से बिहार के गांव जुड़ेंगे। जिससे गांव की तस्वीर बदलेगी। 670 पुलों का कार्य आवंटन आदेश जारी किया गया है। शेष 239 पुलों के निर्माण के लिए निविदा निष्पादन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके लिए राज्य सरकार ने 4 हजार 744 लाख 64 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने की स्वीकृति प्रदान की है। जब गांव सड़कों से जुड़ती है, तो पूरे गांव की तस्वीर बदल जाती है। यह सड़कें किसानों को खेत से मंडी तक सीधे संपर्कता प्रदान करते हैं। इससे उनके व्यवसाय की तरक्करी का मार्ग प्रशस्त होता है। छात्र-छात्राओं को घर से स्कूल एवं कॉलेज तक तथा सरकारी सुविधाओं और सेवाओं के गांव तक ससमय पहुंचने से ग्रामीण जीवन सहज और आसान हो जाता है। साथ ही गांवों में विकास और अवसर के नए द्वार भी खुलते हैं। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर बिहार सरकार ने सितंबर, 2024 ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध सम्पर्कता के लिए छूटे हुए जनोपयोगी पुल, सड़क और पहुंच पथ के निर्माण और अनुरक्षण हेतु मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों में कुल 909 पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार ने 4 हजार 744 लाख 64 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने की स्वीकृति प्रदान की है। इनमें कुल 670 पुलों का कार्य आवंटन आदेश जारी किया जा चुका है और इन पुलों का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है। ग्रामीण कार्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शेष 239 पुलों के निर्माण के लिए निविदा निष्पादन की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। इस योजना के तहत पूर्व से निर्मित कई जर्जर पुलों की जगह नए पुलों का निर्माण, पूर्व से निर्मित पुलों के पहुंच पथ में छूटे हुए पुल, बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलों की जगह नए पुलों का निर्माण, निर्मित पुलों के लिए पहुंच पथ का निर्माण, अबतक बिना संपर्क वाले बचे हुए टोलों और बसावटों को संपर्कता प्रदान करने के लिए पुल-पुलियों का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार स्वीकृत और एकरारित पुलों के डीपीआर की समीक्षा और सुधार के लिए तीन विभागीय तकनीकी परामर्शी और एक पुल सलाहकार के साथ कुल 10 सहायक अभियंताओं को प्रतिनियुक्त किया गया है। इनके माध्यम से निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार वृहद स्तर पर डीपीआर की गहन जांच की जा रही है ताकि भविष्य में कोई विसंगति न हो। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तैयार की गई एसओपी में प्रतिदिन 20 डीपीआर की समीक्षा की जा रही है। आगामी 10 फरवरी तक सभी डीपीआर की समीक्षा का कार्य पूर्ण कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इतना ही नहीं इन सभी डीपीआर की समीक्षा के बाद उसमें सुधार के लिए भी 17 फरवरी की तारीख निर्धारित कर दी गई है। यदि किसी डीपीआर में बड़े बदलाव या सुधार की जरुरत हो तो उसके लिए भी 25 फरवरी की तिथि निर्धारित कर दी गई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत सबसे अधिक 76 पुलों का निर्माण पूर्वी चंपारण जिले में किया जाएगा। जबकि, दरभंगा में 53, सीतामढ़ी में 43, मधुबनी में 42, शेखपुरा में 39, गयाजी में 38, भागलपुर, नालंदा एवं वैशाली में क्रमानुसार 34-34 सारण और गोपालगंज में 31-31, सिवान में 30, समस्तीपुर में 29, रोहतास में 27, पूर्णिया में 24 तथा सुपौल एवं बेगूसराय में 23-23 पुलों का निर्माण किया जा रहा है।

एक नजर

एसडीएम ने आपत्तिजनक पोस्ट करने वकील उदय पर दर्ज कराई प्राथमिकी

बिक्रमगंज । अनुमंडल पदाधिकारी ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ लगाए गए आपत्तिजनक और झूठे आरोपों के विरुद्ध बिक्रमगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अधिवक्ता उदय प्रताप यादव पर 'निरंकुश एसडीओ', 'बालू माफिया से रिश्वत लेना' और 'जातिगत टिप्पणियां' जैसे आरोप लगाने का इल्जाम लगाते हुए एसडीएम ने बीएनएस की धारा 356 मानहानि, 352/351 जानबूझकर अपमान, 196/197 झूठी सूचना, 61(2) आपराधिक षड्यंत्र और 152/190 लोकसेवक के कार्य में बाधा के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। इसके अलावा क्ळ एक्ट की धारा 663/67 का भी हवाला दिया गया है। शिकायत में एसडीएम ने उल्लेख किया है कि 26 जनवरी को व्हाट्सएप समूहों में आरोपी वकील उदय ने को 'रात भर बालू या आलू के चक्कर में घूमने वाला' और 'सरकारी नंबर को बाप का नंबर बताने वाला' ठहराया, जो उनकी प्रतिष्ठा और सरकारी पद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। एसडीएम ने इसे बालू माफियाओं से सांठगांठ का सुनियोजित षड्यंत्र करार दिया। सोशल मीडिया पोस्ट के स्क्रीनशॉट साक्ष्य के रूप में संलग्न हैं। इस संदर्भ में स्थानीय थानाध्यक्ष ने शिकायत प्राप्त कर ली है और जांच के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की बात कही। स्थानीय लोगों में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि यह सोशल मीडिया के दुरुपयोग और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ ऑनलाइन हमलों को उजागर करता है। पुलिस ने अभी तक प्राथमिकी दर्ज करने की पुष्टि नहीं की, लेकिन शिकायत पर तत्काल संज्ञान लिया गया है।

प्रखंड क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

रजौली । सोमवार को प्रखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। अनुमंडल कार्यालय में स्वतंत्र कुमार सुमन प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड प्रमुख,सरोजा देवी, अंचल निरीक्षक कार्यालय में इंस्पेक्टर केके अकेला रजौली थाना परिसर में थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर दिलीप कुमार बाल विकास कार्यालय में सीडीपीओ सीता कुजुर, ग्रामीण कार्य विभाग कार्यालय कार्यपालक अरविंद कुमार,नगर पंचायत कार्यालय में मुख्य पार्षद मानती देवी,पीएचडी कार्यालय में पीएचडी एसडीओ अजय कुमार सिन्हा,अग्निशमन कार्यालय में अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी रविंदर राम,लघु सिंचाई कार्यालय में जेई रौशन कुमार बीआरसी भवन परिसर में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार,वन विभाग में रेंजर नारायण लाल सेवक, कन्या मध्य विद्यालय परिसर में सतेंद्र कुमार पांडे, प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय में सुबोध कुमार ने ध्वजारोहण किया।

बिहार के 17 नेताओं को मिली सुरक्षा, कई की सिक्यूरिटी बढ़ाई गई तो कई का किया गया कम, तीन नेताओं से वापस

केटी न्यूज । रोहतास
बिहार में कई नेताओं की सुरक्षा में बदलाव किया गया है. केंद्रीय और राज्य नेताओं को नई श्रेणियों की सुरक्षा प्रदान की गई है. वहीं कुछ नेताओं की सुरक्षा वापस ली गई है. बिहार के कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है। 16 जनवरी 2026 को हुई बैठक में कई नेताओं की सुरक्षा को लेकर निर्णय लिया गया था। इस संबंध में गृह विभाग ने डीजीपी को पत्र लिखा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को वाई प्लस श्रेणी मिलेगी, साथ ही एस्कॉर्ट गाड़ी भी रहेगी।पशुपति पारस की सुरक्षा को वाई से घटकर एक्स कर दिया गया है। शकील अहमद कांग्रेस के पूर्व विधायक की सुरक्षा वाई से घटकर एक्स श्रेणी किया गया है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार की सुरक्षा को वाई प्लस श्रेणी से घटाकर एक्स श्रेणी की गई है।वहीं पूर्व सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की सुरक्षा को जेड श्रेणी से घटाकर वाई श्रेणी की दी गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को जेड श्रेणी की सुरक्षा घटकर वाई प्लस व स्कॉट गाड़ी श्रेणी की सुरक्षा दी गई है . जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन को एक्स श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को जेड लेवल व बीआर वैकिल श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. जेडीयू विधान पार्षद संजय कुमार सिंह को वाई श्रेणी की सुरक्षा के साथ-साथ अब एस्कॉर्ट गाड़ी मिलेगी. पूर्व विधायक सुनील कुमार को एक्स श्रेणी की सुरक्षा, सांसद विवेक ठाकुर को वाई श्रेणी की सुरक्षा से बढ़कर वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. जमुई के सांसद अरुण भारती को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा, अख्तरुल इमान को वाई श्रेणी की सुरक्षा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय शरावगी को जेड़ श्रेणी की सुरक्षा दी गई है. मंगल पांडे को भी जेड़ श्रेणी दी गई है. भगवान सिंह कुशवाहा को वाई श्रेणी, नीतीश मिश्र को भी वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है. केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है.

तीन नेताओं की सुरक्षा वापस ले ली गई है। इनमें दो कांग्रेस के नेता है, जबकि तीसरे राजद के हैं। कांग्रेस के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार की सुरक्षा वापस ले ली गई है। वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान विधान पार्षद मदन मोहन झा की सुरक्षा भी हटा लिया गया है। बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी की सुरक्षा भी समाप्त कर दी गई है।

राज्य परिषद सदस्य अरुणा देवी ने 77वें गणतंत्र दिवस पर किया ध्वजारोहण

केटी न्यूज । रोहतास

सोमवार 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर, राज्य परिषद सदस्य सह तरारी विधानसभा प्रभारी जदयू नेत्री अरुणा देवी ने किया ध्वजारोहण। इस दौरान नगर परिषद स्थित अपने अरुण मार्केट परिसर में उन्होंने राष्ट्रीय गान के साथ ध्वज फहराया। साथ ही उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया। इस प्रकार के आयोजनों में आमतौर पर स्थानीय नेता और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में सरकारी संस्थानों या सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराकर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त को व्यक्त करनी चाहिए। मौके पर ब्रजेश सिंह, राहुल सिंह, संदीप सम्राट, कल्लू खान, प्रमोद पटेल, संजय सिंह, विजय चौधरी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित।

डीजे साउंड नियम के उल्लंघन में प्रशासन ने दर्ज की प्राथमिकी

केटी न्यूज । रोहतास

स्थानीय पुलिस ने शांति समिति की बैठक में दिए गए स्पष्ट निदेशों के बावजूद डीजे बजाने के मामले में सख्त कार्रवाई की है। इस संबंध में छह पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों, जो तीन सौअज्ञात लोगों और डीजे संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई थाना मोड़ के पास स्थित ठठेरी मोहल्ला पूजा कमेटी सहित विभिन्न स्थानों पर नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद की गई। पुलिस के मुताबिक, शांति समिति की बैठक में डीजे न बजाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कुछ पूजा समितियों ने तेज आवाज में डीजे बजाया, जिससे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजने से घरों में सो रहे बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी हुई। युवकों द्वारा डीजे पर नाच-गाना करते हुए नियमों की खुलेआम अनदेखी की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने डीजे संचालकों की

पहचान कर उनके खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की है।अपर थाना प्रभारी नवीन कुमार ने मंगलवार को बताया कि शांति समिति के निदेशों का उल्लंघन करने के आरोप में छह पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिव और डीजे संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जो 300 अज्ञात लोगों को भी नामजद किया गया है, जिनकी पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आम जनता से अपील की गई है कि वे शांति समिति और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करें। ताकि ताकि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बना रहे।

77वें गणतंत्र दिवस वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में हुआ झंडोत्तोलन

केटी न्यूज । रोहतास

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर परिषद स्थित वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में झंडोत्तोलन का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार द्वारा हराया गया। मौके पर उपस्थित सीनेट सदस्य डॉ. मनीष रंजन सहित उपस्थित महाविद्यालय के समस्त कर्मियों के सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। साथ ही स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह और अन्य शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम तहत छात्रों द्वारा देशभक्ति के गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य,शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। गौरतलब है कि 26 जनवरी 2026 को तारीख भी 26 और साल भी 26 होने के कारण इस गणतंत्र दिवस को देश भर में विशेष उत्साह के साथ मनाया गया। उक्त अवसर शहर के करियावा बाल मैदान पर डॉ.मनीष रंजन और व्यापार मंडल, बिक्रमगंज पर ललन चौरसिया ने ध्वज फहराया।

गणतंत्र दिवस पर फैंसी क्रिकेट मैच में पत्रकार ने प्रशासन टीम को हरा ट्रॉफी जीता

केटी न्यूज । रोहतास

गणतंत्र दिवस के अवसर पर रोहतास जिले के काराकाट प्रखंड मुख्यालय के गोडारी नगर स्थित राम रूप स्टेडियम में पत्रकार और पुलिस टीमों के बीच हुए फाइनल क्रिकेट मुकाबले ने दर्शकों को खूब रोमांचित कर दिया। समाजसेवी डॉक्टर संजीत कुमार द्वारा आयोजित इस मैत्रीपूर्ण मैच में पत्रकारों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पुलिस टीम को 2 विकेट से हरा दिया। 16 ओवर का यह मुकाबला कल देर शाम तक चला, जिसमें खेल भावना की मिसाल कायम हुई। मैच की शुरूआत टॉस से हुई, जहां पुलिस टीम के कप्तान अंचल निरीक्षक (सर्किल इंस्पेक्टर) कुणाल कृष्ण और कप्तान संजय पांडे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। पुलिस टीम ने 131 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। काराकाट थाना प्रभारी

विवेक कुमार ने उपकप्तान के रूप में शानदार पारी खेली,जबकि प्रशासन टीम के कप्तान कुणाल कृष्ण ने भी स्कोर बनाने में सराहनीय पारी खेली। दूसरी तरफ पत्रकार टीम ने बाद में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार टीम ने जल्द विकेट के गिरने से 14वें ओवर में 8 विकेट खोकर मात्र 108 रन ही बना सकी थी इसके बावजूद अंतिम के दो ओवर में बैटिंग करते हुए बल्लेबाज ने धैर्य बनाए रखते हुए 2 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। पत्रकारों की ओर से राहुल कुमार मिश्रा और आशुतोष कुमार ने किफायती गेंदबाजी से पुलिस को 131 पर रोक दिया। फिरकी गेंदबाज अमित कुमार ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। मैच के मैन ऑफ द खिलाड़ी आनंद मोहन बने, जिन्होंने शुरूआती ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। जबकि पत्रकार टीम के कप्तान संजय पांडे ने टीम खिलाड़ी रवि प्रकाश सहित टीम के सभी खिलाड़ियों को जीत पर बधाई दी। काराकाट पुलिस टीम की ओर से एसआई निशांत कुमार ने अच्छी गेंदबाजी की, जबकि थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने विकेट लिए लेकिन थोड़े महंगे साबित हुए। अंपायरिंग रवि कुमार ने पूरे मैच में निष्पक्षता बरती। कमेंट्री अमन कुमार ने इतनी जीवंत की कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मैच के आयोजक डॉ. संजीत कुमार ने कहा कि यह मैच रोमांचक और स्नेह के एकजुटता से भरा मुकाबला था। जिसमें दोनों टीमों ने खेल भावना का शानदार उदाहरण पेश किया। ऐसे मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन से समाज में एकता और भाईचारे का संदेश जाता है।मौके पर पूर्व मुखिया व वर्तमान पैक्स अध्यक्ष मिथिलेश सिंह, बीडीसी जितेंद्र कुमार, पाल अजय कुमार, मोनू कुमार, विपिन कुमार, संतोष कुमार गुप्ता समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।